

28 $\frac{10}{24}$

पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उपस्थित।
मूल वाद स्वीकार किया जा चुका है।
जिससे उक्त T.I. पार्थना पत्र का कोई
औचित्य नहीं रह जाता है। लिहाजा
उक्त T.I. पार्थना पत्र खारिज किया
जाता है। पत्रावली फंसल शुमार लेकर
नंबर से कम है।



सहायक क्लर्क एवं पदेन
उपखण्ड अधिकारी, बाली